ACHIEVER -21

शैक्षणिक सत्र 2020–21

प्रश्न बैंक

(01 दिसंबर 2020 से.................)

कक्षा– 12वीं
विषय– हिन्दी
सेट–4

स्कूल शिक्षा विभाग धमतरी (छ0ग0)

DIRECTED BY
Shri J.P. MOURYA(IAS)
DISTT. – DHAMTARI

GUIDED BY
Shri MAYANK CHATURVEDI (IAS)
C.E.O. ZILA PANCHAYAT DHAMTARI

PRESENTED BY
Dr. RAJANI NELSON
D.E.O. DHAMTARI

प्रश्न पत्र सेट–4

कक्षा– 12वीं

विषय– हिन्दी

समय– 03 घण्टा पूर्णांक – 80

सामान्य निर्देशः–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. इस प्रश्न पत्र में 3 खण्ड हैं–क,ख,ग,।
3. यथा संभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. 01 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. 02 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. 03 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।
7. 04 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।
8. 05 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120–150 शब्दों में लिखिए।

(खण्ड–क)

प्रश्न क्रमांक 01. :– निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिएः–

अंक–05

लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभ– कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका है। इसमें चौथे स्तंभ के रुप में मीडिया को शामिल किया गया है। कहा जाता है कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता और सततता के लिए जरुरी है कि उसके से चारो स्तंभ मजबूत हो। चारों अपना काम पूरी जिम्मेदारी व निष्ठा से करें। यहां विधायिका जहां कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हे लागू करती है और न्यायपालिका कानूनों की व्यवस्था करती है। उनका उल्लंघन करने वालों को सजा भी देती है। मीडिया यहां वहां समसायिक विषयों पर लोगों को जागरुक करने और उनकी राय बनाने में बड़ी भूमिका निभाता है। इसी कारण विश्व में मीडिया एक अलग शक्ति के रुप में उभरा है। स्वराज्य प्राप्ति के बाद और लिखित संविधान के देश में लागू होने के उपरान्त लोकतंत्र के तीनों अंगो के कर्तव्यों, अधिकारों और दायित्वों के बारें में जनता की जागरुकता बढ़ी है। संविधान निर्माताओं का उद्देश्य रहा है कि तीनों अंग परस्पर तालमेल से कार्य करेंगें। कजस देश में पंचों को परमेश्वर माननें की परम्परा है वहा न्यायमूर्तियों पर आक्षेप लगना लोकतंत्र के लिए दुर्भागय की बात है अतः लोकतंत्र चाहता है कि न्यायपालिका की कार्यशैली पारदर्शी हो जिसमें लोगों का विश्वास बना रहें साथ ही न्यायपालिका का मान–सम्मान भी बढ़े।

1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
2. लोकतंत्र के कितने स्तंभ है ? 1
3. लोकतंत्र की सफलता और सततता के लिए क्या जरुरी है ? 2
4. विधायिका और कार्यपालिका का क्या कार्य है ? 2
5. स्वराज्य प्राप्ति के बाद जनता की जागरुकता किस क्षेत्र में बढ़ी है ? 2
6. संविधान निर्माण का मुख्य उद्देश्य क्या है ? 2
7. पंचो को परमेश्वर मानने की परम्परा का क्या आशय है ? 2

प्रश्न 02 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कुड़े के ढेर में,
कुछ चुनते हुए बच्चे को देख
एक चित्रकार ने,
करुणामय चित्र बना डाला,
कवि ने, एक मार्मिक रचना रच डाली।
एक कहानीकार ने,
उसी बच्चें पर,
कालजयी कहानी कही।
जनता ने प्रदर्शनी में चित्र
मंच पर कविता
और पात्रिका में दपी
कहानी को खुब सराहा।
पर उस बच्चे ने चित्र, कविता
और कहानी से क्या पाया ?
वो अब भी लगा है.....
वहीं कुड़े के ढेर में कुछ खोजनें में ।
उसे कुछ नही मिला।।

प्रश्न – 1. प्रस्तुत काव्यांश में किस बच्चें की बात की गई है ?
2. उस बच्चे को देखकर लोगों ने क्या–क्या किया ?
3. अंत में बच्चे की स्थिति में क्या परिवर्तन आया ?
4. उपर्यक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(खण्ड–ख)

प्रश्न 03:– निम्नलिखित में सें किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए–

1. मेरे सपनो का भारत
2. कामकाजी महिलाओं की समस्या
3. इंटरनेट – एक संचार क्रांति
4. वैश्विक महामारी कोरोना का जीवन शैली पर प्रभाव।

प्रश्न 04 :– गृह मंत्रालय,भारत सरकार की ओर से शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण देने हेतु प्रत्र लिखिए।

अथवा

प्लास्टिक थैलियों के प्रयोग पर कानेनी पाबंदी लगाएं जाने के बावजूद उनके बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए प्र्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए।

प्रश्न 05:– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिए:–

1. पेज थ्री पत्रकारिता से क्या तात्पर्य है ?
2. ब्रेकिग न्यूज किसे कहते है ?
3. अच्छे संपादक के क्या गुण है ?
4. समाचर लेखन के कितने अंग होते हैं ?

प्रश्न 06 :–नाटक के तीन प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।

अथवा

किन्ही तीन कहानीकारों के नाम लिखते हुए उनकी एक दो रचना लिखिए।

प्रश्न 07 :– महंगाई के कारण प्रतिदीन उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत आसमान छूती जा रही है। रिपोर्ट लिखिए।

अथवा

''युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति'' विषय पर एक आलेख लिखिए।

(खण्ड–ग)

प्रश्न 08 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पुछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

छोटा मेरा खेत चौकोना,
कागज का एक पन्ना,
कोई अधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहां बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव –पुष्पों से नामित हुआ विशेष।

प्रश्नः– 1. अधड़ से क्या तात्पर्य है ? कवि और किसान के परिपेक्ष्य में लिखिए।
2. ''पल्लव–पुष्पों से नामित हुआ विशेष'' कवि और किसान के सदर्भ में क्या है ?
3. कवि का कृषि कार्य में कौन–कौन से संसाधन है ?
4. क्षण का बीज से कवि क्या कहना चाहता है ?

अथवा

सबसे तेज बौछारें गयी भदों गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आंखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली, साइकिल तेज चलातें हुए
घंटी बजातें हुए जोर –जोर से

चमकीली इशारों से बुलाते हुए
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके–
दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके–
बांस की सबसे पतली कमानी उड़ सके–
कि शुरु हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया।

प्रश्न – 1. बच्चे क्यों उत्साहित है ?
2. दुनिया की सबसे नाजुक चीज क्या है ? क्यों ?
3. तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया का क्या तात्पर्य है ?
4. काव्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

प्रश्न 09 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रातः नभ था नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो''

प्रश्न– 1 काव्यांश के अंलंकार सौंदर्य का वर्णन करो।
2. काव्यांश की भाषा शैली पर टिप्पणी किजिए।
3. काव्यांश के भाव सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

खेती न किसान को, भिखरी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न वाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सेच बस,
कहैं एक एकन सों, कहां जाई का करी ?
बेद हूं पुराण कही लोक हूं बिलोकिअत
सांकरे सबै पै, राम। रावरे कृपा करी।
दारिन–दसानन दबाई दुनी दीनबंधु।
दुरित–दहन देखि तुलसी स्पष्ट हहा करी।।

प्रश्न 1. काव्यांश का भाव– सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
2. काव्यांश के शिल्प सौंदर्य की चर्चा काजिए।
3. काव्यांश में प्रयुक्त अनुप्रास अलंकार का उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–10 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे ?
2. इस कविता के बहाने बताएं कि'' सब घर एक कर देने के माने'' क्या है ?
3. 'सहर्ष स्वीकारा है'' कविता में कवि प्रकाश के स्थान पर अंधकार की कामना क्यों करता है ?

प्रश्न 11:– निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हों, किन्तु गांव के अर्द्धमृत, औषधि उपचार पथ्यविहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बुढ़े– बच्चे ,जवानों की शक्तिहीन आंखों के आगे दंगल का दृश्य नाचनें लगता था।स्पंदन शक्ति–शून्य स्नायुओं मे भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तों बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही पर इसमें संदेह नही कि मरते हुए प्राणियों को आंख मुंदते समय कोई तकलीफ नही होती थी, मृत्यु से वे डरते नही थे।

जिस दिन पहलवान के दोनों बेटे क्रुर काल की चपेटाघात में पढ़े, असहय वेदना से छटपटाते हुए दोनों ने कहा–''बाबा, उठा पटक दो वाला ताल बजाओ''

प्रश्न 1 पहलवान की ढोलक किसमें संजीवनी शक्ति भरती थी ?

2. मरते हुए प्राणियों को तकलीफ क्यों नही होती थी ?
3. पहलवान के बेटों ने अपने पिता से उठा पटक दो ताल बजाने को क्यों कहा ?
4. रात्रि की विभीषिका को कौन किस प्रकार चुनौती देता था ?

अथवा

जब उसका सामान कस्टम पर जांच के लिए बाहर निकाला जाने लगा तो उसे एक झिरझिरी सी आई और एकदम से उसने फैसला किया कि मुहब्बत का तोहफा चोरी से नही जाएगा, नमक कस्टम वालों को दिखाएगी वह। उसने जल्दी से पुड़िया निकाली और हैंडबैग में रख दी, जिसमें उसका पैसों का पर्स और पासपोर्ट आदि थे। जब सामान कस्टम अफसर की तरफ बढ़ी। ज्यादातर मेंजे खाली हो चुकी थी। एक दो पर इक्का दुक्का सामान रखा था। वही एक साहब खड़े थे– लंबा कद, दुबला पतला जिस्म, खिचड़ी बाल, आखें पर ऐनक। वे कस्टम अफसर की वर्दी पहने तो थे मगर उन पर वह कुछ जंच नही रहा थी। सफिया कुछ हिचकिचाकर बोली, मैं आपसे कुछ पूछना चाहती हूं।

प्रश्न 1– सफिया का सामान जब कस्टम जांच के लिए जाने लगा तब उसने कैसा फैसला लिया ?

2. सफिया ने नमक की पुड़िया कहां रखी ?
3. कस्टम अफसर की तरफ सफिया क्यों बढ़ी ?
4. कस्टम अफसर का हुलिया कैसा था ?

प्रश्न 12 – निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दिजिए–

1. बजार का जादू क्या है ?
2. ''गगरी फूटी बैल पियासा'' स`लेखक का क्या आशय है ?
3. लेखक के मत से ''दासता'' की व्यापक परिभाषा क्या है ?
4. ''तरुणो के लिए जैसे भविष्य उज्जवल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत'' लेखक द्वारा ऐसा कहने के पीछे क्या आशय है ?

प्रश्न 13– सिल्वर वैडिंग के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए, जो यशोधर बाबू को किशन दा से उत्तराधिकार में मिले थे। आप उनमें से किन्हे अपनाना चाहेंगे ?

अथवा

यशोधर बाबू ऐसा क्यों सोचते है कि वे भी किशन दा की तरह घर– गृहस्थी का बवाल न पालतें तो अच्छा था ?

प्रश्न 14 – जूझ कहानी क`लेखक के जीवन संघर्ष के उन विंदुओं पर प्रकाश डालिए जो हमारे लिए प्रेरणा दायक है।

अथवा

स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?

प्रश्न 15 – सिंधु सभ्यता साधन संपन्न थी ,पर उसमें भव्यता का आडंबर नही था। कैसे ?

अथवा

''सिंधु– सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य बोध है जो राज– पोषित या धर्मा पोषित न होकर समाज–पोषित था''। ऐसा क्यों कहा गया ?

———000———